Patrika (Indore), 1st September 2026, Page – 02

#IITIndore

कार्यशाला में पांच राज्यों के 94 प्रतिभागियों ने समझा मानसिक स्वास्थ्य और विद्यार्थी सहायता का महत्व

# विद्यार्थियों के 'वेलनेस' पर मंथन, 21 संस्थानों ने बनाई कार्ययोजना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**इंदौर.** उच्च शिक्षा में विद्यार्थी की सफलता केवल पढ़ाई और परीक्षा के परिणामों से तय नहीं होती। उसका मानसिक स्वास्थ्य, हॉस्टल का माहौल, दोस्तों और शिक्षकों से जुड़ाव और जरूरत के समय मिलने वाली मदद भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। इसी सोच के साथ आइआइटी इंदौर में आयोजित दो दिनी 'संवर्धन' क्षमता निर्माण कार्यशाला का समापन हुआ। इसमें पांच राज्यों के 21 उच्च शिक्षण संस्थानों के 94 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपने परिसरों में विद्यार्थी कल्याण को बेहतर बनाने के लिए कार्ययोजनाएं तैयार की।



भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने आइआइटी इंदौर के सहयोग से मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 30 और 31 अगस्त को कार्यशाला आयोजित की। इसमें मप्र, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा और पंजाब के संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

**तनाव के संकेतों से लेकर समय पर मदद तक:** कार्यशाला के पहले दिन उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के मनोसामाजिक माहौल, संस्थागत कल्याण, सामाजिक जुड़ाव और जुड़े हुए परिसरों पर चर्चा हुई। विद्यार्थियों में परेशानी के शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय पर मदद कैसे दी जाए, इस पर भी सत्र हुए। इसके अलावा जीवन-कौशल आधारित सहपाठी मार्गदर्शन, सामाजिक-भावनात्मक सहयोग और जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम पर विचार साझा किए गए।

## वन भ्रमण और पौधरोपण से शुरू हुआ दूसरा दिन

दूसरे दिन की शुरुआत आइआइटी इंदौर परिसर में वन भ्रमण से हुई। इसके बाद पौधरोपण अभियान चलाया गया। इसके जरिए स्वस्थ विद्यार्थी जीवन के लिए हरित और सकारात्मक परिसर के महत्व को समझाया। चेतावनी संकेतों की पहचान और विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं के प्रबंधन, मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम पर केंद्रित कार्यशाला हुई।

## 'विद्यार्थी को सिर्फ शिक्षक नहीं, मार्गदर्शन चाहिए'

कार्यशाला में पूर्व निदेशक आइआइटी बीएचयू और आइआइआइटी हैदराबाद प्रो. राजीव संगल ने 'समग्र कल्याण : मार्गदर्शन नेटवर्क की आवश्यकता' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा, विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ उनके व्यक्तिगत और भावनात्मक कल्याण के लिए भी मजबूत मार्गदर्शन व्यवस्था जरूरी है।

## कैंपस के लिए योजना

कार्यशाला के अंतिम चरण में प्रतिभागियों ने अपने संस्थानों में विद्यार्थी कल्याण को मजबूत करने के लिए विचार-मंथन किया। इसमें कल्याण संकेतक, संस्थागत अनुशंसाएं और व्यावहारिक कार्ययोजनाएं तैयार करने पर चर्चा हुई। समापन सत्र में वक्ताओं ने कहा, स्वस्थ और सहयोगी परिसर बनाने के लिए संस्थान को हर स्तर पर मिलकर काम करना जरूरी है। इसमें संस्थान का नेतृत्व, शिक्षक, विद्यार्थी, परामर्शदाता, छात्र कार्य से जुड़े पेशेवर, हॉस्टल अधीक्षक और वार्डन, मार्गदर्शक तथा सहपाठी नेटवर्क सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है।